HINDI PRELIM: PAPER 1

विभाग १ - गदय : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) लिखिए

2)

वास्तव में जब संपत्ति थोड़े-से हाथों में बँधी न रहकर समाज में फैली रहेगी तो सहकार पद्धति से बड़े पैमाने पर ऐसे काम आसानी से चलने लगेंगे और उनका लाभ लेने वाले, याचक या दीन की तरह नहीं, सम्मानपूर्वक लाभ उठाएँगे।

अर्थशास्त्री कहते हैं कि उत्पादन की प्रेणा के लिए व्यक्ति को स्वार्थ के लिए अवसर देने होंगे वरना देश में उत्पादन और संपत्ति नहीं बढ़ सकेगी, बचत भी नहीं होगी। अनुभव बताता है कि पूँजी, गरीबी या बेकारी की समस्या हल नहीं कर सकी है । नैतिक दृष्टि से भी स्वार्थवृत्ति का पोषण करना योग्य नहीं है । बहुत करके स्वार्थ का अर्थहोता है परार्थ की हानि । उसी में से स्पर्धा बढ़ती है, जिसके फलस्वरूप कुछ थोड़े से लोग ही लाभ उठा सकते हैं, बहुसंख्यकों को तो हानिही पहुँचती है । मानवोचित सहयोग की जगह जंगल का कानून या मत्स्य न्याय चलता है। आखिर यह देखना है कि समाज का कल्याण किस वृत्ति से होगा? अगर समाज में स्वार्थ वृत्ति के लोग अधिक हों, तो क्या कल्याण की आशा रखी जा सकती है? समाज तो परोपकार वृत्ति के बल पर ही ऊँचा उठ सकता है। संपत्ति बढ़ाने के लिए स्वार्थ का आधार दोषपूर्णहै।

A2) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो । 2

1) समाज परोपकारी वृत्ति के बल पर ....
(नीचे गिर सकता है, ऊँचा उठ सकता है, विकास कर सकता है)

2) नैतिक दृष्टि ने भी स्वार्थवृत्ति का ....
(पोषण करना योग्य नहीं है, पोषण करना योग्य है, परार्थ के लिए योग्य नही है)

A3) i) लिंग पहचानकर लिखिए। 1

(1) जंगल – ....
(2) समाज – ....

ii) पर्यायवाची शब्द लिखिए 1

(1) वन - ....
(2) मौका - ....

A4) स्वमत :- 2

'शारीरिक श्रम जीवंतता की पहचान' पर अपने वाक्यों में 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 **A1)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

1) लेखक का पहला उपन्यास - ______

2) परिच्छेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण घटना - _____

ii) स्पष्ट कीजिए। 1

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

मेडिकल कॉलेज में भर्ती थी पंडित -

(१) .....

(२) .....

तिवारी जीः	क्या उन दिनों आपपर गांधीजी के व्यक्तित्व का भी कुछ प्रभाव पड़ा ?
नागर जीः	हाँ, निश्चित रूप से पड़ा	पिता जी ने आंदोलनों में भाग लेने से रोका	वह रोकना ही मेरे लेखन के लिए अच्छा हुआ	
तिवारी जीः	आपके लेखन में गरीबों के प्रति जो करुणा है वह किससे प्रभावित है ?
नागर जीः	वह तो अपने समाज से ही उभरी थी	मेरी पहली कहानी 'प्रायश्चित' इसका प्रमाण है	हमारे पारिवारिक संस्कार भी थे	मेरे पिता जी में एक अद्‌भुत गुण था	वे किसी के दुख – दर्द में तुरंत पहुँचते थे	इसने मुझे बहुत प्रभावित किया	
तिवारी जीः	उस समय तो क्रांतिकारी आंदोलन भी हो रहे थे	क्या उनका भी आपपर कुछ प्रभाव पड़ा ?
नागर जीः	उसी से तो पिता जी ने डाँटा और रोका	काकोरी बमकांड हो चुका था	१९२१ से आंदोलन तेज हो गए थे	
तिवारी जीः	क्या सामजिक आंदोलनों, जैसे आर्य समाज का भी आपपर कुछ प्रभाव पड़ा ?
नागर जीः	आरंभिक असर है थोड़ा जरूर	मेरे पिता जी में एक अच्छी बात थी की उन्होंने मुझे सामजिक आंदोलनों में जाने से कभी नहीं रोका	जवाहरलाल नेहरु से मेरी भेंट १९३३ में हुई	उनकी माँ मेडिकल कॉलेज में दाखिल था	नेहरु जी जेल में थे	उनकी माँ के पास कुछ कश्मीरी लोगों को छोड़कर कोई आता – जाता नहीं था	मैं उनकी माता जी के पास रोज जाता था	पंडित जी जब जेल से छुटे तो मेरी उनसे वहीँ भेंट हुई जो प्राय: होती रहती थी	उनसे खूब बातें होती थी – हर तरह की	
तिवारी जीः	आपका पहला उपन्यास कौन-सा है ?
नागर जीः	पहला उपन्यास लिखा १९४४ में 'महाकाल', जो छपा १९४६ में बंगाल से लौटकर इसे लिखा था	
तिवारी जीः	क्या यही बाद में 'भूख' नाम से प्रकाशित हुआ	
नागर जीः	हाँ !

A2) i) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

आंदोलन

ii) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। 1

(१) पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की माता जी कुछ कश्मीरी लोग मिलने आते थे। -

(२) लेखक पंडित जवाहरलाल नेहरु से कभी नहीं मिला। -

A3) i) उत्तर लिखिए :- 1

1) परिच्छेद में आए शब्द-युग्म चुनकर लिखिए|

2) तद्धित शब्दों का मूल शब्द लिखिए|

विलायती - .....

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

ii) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए 1

1) किसी बात के लिए व्यापक सामूहिक प्रयत्न - ..... .

2) व्यक्ति का चरित्र या विशेषता - ..... .

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

A4) स्वमत :- 2

'क्रांतिकारी आंदोलन' विषय को स्पष्ट कीजिए|

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1 **A1)** i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। 1

आत्मा की पुकार के अनुसार मनुष्य कार्य करता है |

ii) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

आत्मा

भ्रष्टाचार और सदाचार मनुष्य की आत्मा में होता है | बाहर से नहीं आता है | विधाता जब मनुष्य को बनाता है, तब किसी की आत्मा में ईमानदारी की कल फिर कर देता है और किसी की आत्मा में बेईमानी की | इस कल से ईमान और बेईमानी के स्वर निकलते है, जिन्हे हम 'आत्मा की पुकार 'कहते है | आत्मा की पुकार के अनुसार ही मनुष्य काम करता है | प्रश्न यह है जिनकी आत्मा से बेईमानी के स्वर निकलते है | उन्हें दबाकर ईमानदारी के स्वर कैसे निकाले जाएँ | अभी मैंने सदाचार का तावीज बनाया है | जिस आदमी की भुजा पर यह बँधा होगा , वह सदाचारी हो जाएगा |

A2) स्वमत :- 2

'भ्रष्टाचार' के विषय में अपने विचार पाँच – छह पंक्तियों में लिखिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

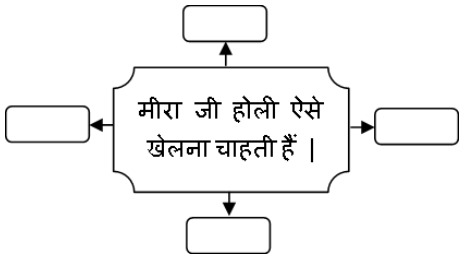

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

फागुन के दिन चार होरी खेल मना रे ।
बिन करताल पखावज बाजै, अणहद की झनकार रे ।
बिन सुर राग छतीसूँ गावै, रोम-रोम रणकार रे ।।
सील संतोख की केसर घोली, प्रेम-प्रीत पिचकार रे ।
उड़त गुलाल लाल भयो अंबर, बरसत रंग अपार रे ।।
घट के पट सब खोल दिए हैं, लोकलाज सब डार रे ।
'मीरा' के प्रभु गिरिधर नागर, चरण कँवल बलिहार रे ।।

A2) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। 2

1)

i.

एक हिंदी महीने का नाम - ☐

ii.

एक बाजे का नाम - ☐

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

2)

i.

कुन्डलिनी के एक चक्र का नाम - ☐

ii.

एक खाद्य पदार्थ का नाम - ☐

A3) स्वमत :- 2

पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों के सरल अर्थ 25 - 30 शब्दों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

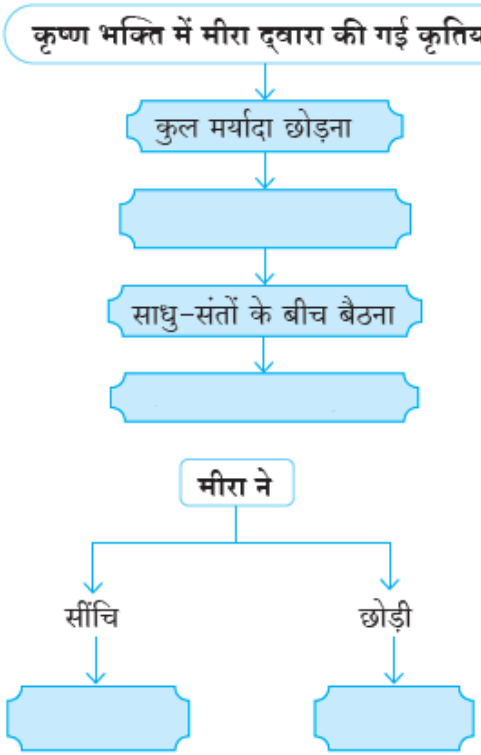

1)

2)

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि- बैठि, लोक लाज खोई ।
अँसुवन जल सींचि- सींचि प्रेम बेलि बोई ।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई ।।
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई ।
माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई ।।
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई ।
दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोही ।।

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

A2) वचन न बदलने वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए। 2

(i) ..... (ii) ..... (iii) ..... (iv) .....

A3) स्वमत :- 2

पद्यांश के प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(4)**

1 **A1)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

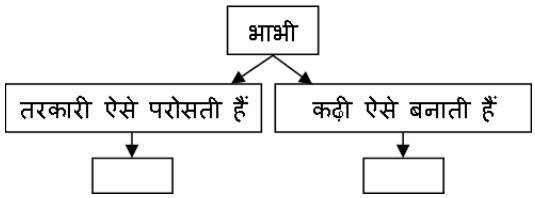

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

ii) गद्यांश में से योजक शब्द ढूंढ कर लिखिए। 1

(i) .....

(ii) .....

माँ हँसकर कहती, ''जा-जा बेचारा मेरे काम में पूजा-भोग की बात नहीं उठाता कभी ।'' पड़ोसी गाँव के पंचानंद चौधरी के छोटे लड़के को एक बार मेरे सामने ही बेपानी कर दिया था सिरचन ने -''तुम्हारी भाभी नाखून से खाँटकर तरकारी परोसती है और इमली का रस डालकर कढ़ी तो हम मामूली लोगों की घरवालियाँ बनाती हैं । तुम्हारी भाभी ने कहाँ से बनाना सीखी हैं !''

इसलिए, सिरचन को बुलाने के पहले मैं माँ से पूछ लेता ...। सिरचन को देखते ही माँ हुलसकर कहती, ''आओ सिरचन ! आज नेनू मथ रही थी, तो तुम्हारी याद आई । घी की खखोरन के साथ चूड़ा तुमको बहुत पसंद है न... ! और बड़ी बेटी ने ससुराल से संवाद भेजा है, उसकी ननद रूठी हुई है, मोथी की शीतलपाटी के लिए ।''

सिरचन अपनी पनियायी जीभ को सँभालकर हँसता-''घी की सोंधी सुगंध सूँघकर ही आ रहा हूँ, काकी ! नहीं तो इस शादी-ब्याह के मौसम में दम मारने की भी छुट्टी कहाँ मिलती है ?''

सिरचन जाति का कारीगर है । मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है । एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता । फिर, कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त ।... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता-''फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम ! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं ।''

A2) स्वमत :- 2

"देश की आत्मा गाँवो में बसती है"। इस पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(4)**

1 **A1)** i) उचित जोड़िया मिलाइए :- 1

'अ' गट	'ब' गट
(1) भीतरी कुंठा आई बाहर	अ. मृत्यु को जीना।
(2) धुल गए विषाद मन पावन	ब. बरसीं आँखें।
(3) मन की पीड़ा छाई बन बादल	क. खारे जल से।
(4) जिजीविषा	ड. आँखों के द्वार से।

ii) शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :- 1

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

1) आँख - .....

2) पटरियाँ - .....

भीतरी कुंठा आँखों के द्वार से आई बाहर ।	
	खारे जल से धुल गए विषाद मन पावन ।

मृत्यु को जीना जीवन विष पीना है जिजीविषा ।	
	मन की पीड़ा छाई बन बादल बरसी आँखें ।

A2) स्वमत :- 2

"परोपकार ही जीवन जीने का सही अर्थ है"

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

विभाग ४ - भाषा अध्यन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- **(1)**

बाबू समस्वरुप आपने मेरे साथ दगा किया है |

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **(1)**

(i) बाद

(ii) यहाँ -

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	तरंग + आयित	.....
ii)	महा + ऋषि	.....

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

(i) मौसम आता-जाता रहेगा|

(ii) समय आने पर गहने फिर बन जाएँगे।

(5) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) तोड़ना	तुड़ाना	.....
ii) बेचना	.....	बिकवाना

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- **(1)**

दिन भर परिश्रम करने के कारण रमेश जल्दी सो गया।
(आँखे चमकना, आँख लगना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) देखते रह जाना -

2) आँखो का तारा होना -

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- **(1)**

1) मैं लंदन से पेरिस के ग्वाईदीनों ट्रेन से उतरी थी।

2) जिस गली में रहा हूँ, वहाँ एक आसमान भी है |

(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- **(1)**

1) पिताजी सरस्वती और गृहलक्ष्मी दो पत्रिकाएँ मँगाते थे.

2) पहला उपन्यास लिखा 1944 में महाकाल जो छपा 1946 में.

(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :- **(2)**

(i) मानू फूट – फूटकर रो रही थी। (पूर्ण भूतकाल)

(ii) काँटों ने फूल की जान बचाई| (सामान्य भविष्यकाल)

(iii) सरकार एक ही टैक्स लगाती है | (सामान्य भविष्य काल)

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- **(1)**

एक बीड़ा सिरचन को देती हुई इधर - उधर देखकर बोली।

ब) 1) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- **(1)**

मैं घर जाना चाहता हूँ | (प्रश्नार्थक वाक्य)

2) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- **(2)**

(i) बिल्ली का हत्या बहू से हो गया।

(ii) जगत की सब रहस्य का द्वार प्रेम ही है |

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन - **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -

पुलिस अधीक्षक चारकोप, मुंबई / क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की शिकायत हेतु / D/3/106 वनश्री को, हॉ. सो. चारकोप, मुंबई |

OR

205 / 16, बालाजी नगर, कोलकाता से श्याम / श्यामा मुखर्जी कों जिला विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य में उसके मित्र / सहेली, मोहन। ज्योती ने बधाई पत्र भेजा है।206/20 बड़ा बाजार, वाराणसी को पत्र लिखकर जवाब देता। है देती है।

(2) गदय आकलन - **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

एक बार एक राजा शिकार के लिए वन में गया | एक सूअर का पीछा करते-करते वह बहुत दूर निकाल गया | अपने साथियों से बिछड़ गया | उसको बहुत भुख लगी थी | आगे बढ्ने पर उसे चांडालों की एक बस्ती मिली | वहाँ पेड़ पर एक तोता बैठा था | वह तोता राजा को देखते ही चिल्लाया, “अरे, पकड़ो इसे, मारो, मारो, इसका सबकुछ छीन लो | यह सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ | वह वहीं से लौटकर दूसरी ओर चला गया |

(आ) (1) वृत्तांत लेखन - **(5)**

आदर्श पाठशाला, अमरावती में संपन्न – वाचन प्रेरणा दिन समारोह का लगभग ७० से ८० शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

अथवा

कहानी लेखन - **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

राजा के दरबार में एक रिश्वतखोर द्वारपाल - प्रवेश के लिए लोगों से रिश्वत लेना - कभी न पकड़ा जाना - राजा के दरबार में एक रिश्वतखोर द्वारपाल - प्रवेश के लिए लोगों से रिश्वत लेना - कभी न पकड़ो - एक चतुर कवि का आगमन - प्रवेश देने की प्रार्थना - द्वारपाल द्वारा आधे पुरस्कार की माँग - कवि का आश्वासन देना - दरबार में कविता का पाठ - कवि के पचास कोड़े पूरे होना - द्वारपाल को शेष पचास कोड़े - सीख |

(2) विज्ञापन लेखन - **(5)**

बाजार में बेचने के लिए नहाने के साबुन का प्रचार करना है। संक्षेप में प्रचार का प्रारूप तैयार कीजिए।

(इ) निबंध लेखन - **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) नारी की वर्तमान स्थिति

(2) बुढ़ापा एक अभिशाप

(3) पेड़ की आत्मकथा

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS